Regarding renaming of New Delhi Railways Station after Guru Teg Bahadur to commemorate his martyr for the cause of religious freedom and human value

श्री मलविंदर सिंह कंग **(**आनंदपुर साहिब**):** सभापति महोदय, सर, दुनिया में धार्मिक आजादी और ह्यूमन वैल्यूज की बात होगी, सबसे बड़ी शहादत की बात होगी तो नौवें गुरु तेगबहादुर साहिब जैसी कोई शहादत नहीं है । आज से साढ़े तीन सौ साल पहले उन्होंने धार्मिक अजादी और ह्यूमन वैल्यूज के लिए अपनी शहादत दी थी ।

सर, मैं आनंदपुर साहिब लोक सभा क्षेत्र को रिप्रजेंट करता हूं । गुरु साहिब की शहादत का सफर आज से साढ़े तीन सौ साल पहले श्री आनंदपुर साहिब से शुरू हुआ था, जहां कश्मीर के लोगों ने आकर उनसे आग्रह किया था कि हमारे धर्म पर बहुत बड़ा संकट है, ह्यूमन वैल्यूज पर बड़ा संकट है । गुरु साहिब ने वह सफर श्री आनंदपुर साहिब से शुरू किया और आज जहां हम लोग खड़े हैं, दिल्ली के चांदनी चौक पर उनकी शहादत हुई थी । हालांकि साढ़े तीन सौ साल की शहादत के अवसर पर पंजाब सरकार, हमारे मुख्यमंत्री भगवंत मान जी बहुत बड़े समागम की तैयारी कर रहे हैं । मुझे पूरी उम्मीद है कि भारत सरकार भी उनकी शहादत को समर्पित बहुत बड़ा कार्यक्रम करेगी ।

मैं भारत सरकार से एक छोटा-सा आग्रह करता हूं कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन चांदनी चौक से बिल्कुल लगा हुआ है । गुरु तेगबहादुर जी की साढ़े तीन सौ साल की शहादत के अवसर पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नामकरण उनके नाम पर किया जाना चाहिए ताकि सारे देश में जो लोग सफर करते हैं, वे गुरु साहिब के इतिहास को जानें और उनसे प्रेरणा लें ।